

श्रीगणेशाय नमः॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय॥४

स्वस्ति

2692

ॐ नमो ब्रह्मायः कव नारायणसिंह दयायः पवनमासमविकायः
 मधाराकुकेकसुर्गेयसत्त्वानां दुःखकवकालिस्तः देविर्वेदिबः
 गधनसायणा उपगक्रमाः सर्वसत्त्वानां नूतवायाम्यक्रं वात्सो
 पुनिस्थपनाय ॐ आ ४ सुगवज्जुष्टा ४ हूं रुट् स्वाहा ॥ ॥
 धर्मो यान्ति ॥ ॥ ॐ नमो हगवर्गयुहापावमिनामहा ॥
 रुयसहानीलत्रकूपकूपसूककुरु ॥ ॥ वलिगुज्जिघृषि

वृक्षहावर्धनी काल २ सधावर्धनी चिचिश्च विवद निस्वाहा ॥
 ॥ सधयावलि ॥ ॥ ॐ नमो लोका नाथायः दवास्त्रनवज्जुष्टा
 बाहुसादिहिवदीनपादिनपादयुग्मादिसहिर्गं अक्षमा
 लसिधयः पुवनचिह्निययत्रायकावुनिकायः मंवलिरुर्ग
 दिसहिर्गं रुद्र २ माममसर्वसत्त्वानां रुद्रः रवायनय २ दुवय २
 सईयश्च सखः धम्मसखः सधसखः ॥ ॥ अमाघयासपावलि ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ सफ सफादिकं पूजा विधिः ॥
गन्धनमस्कावादिमृनिमनुजः गन्धः मदलगावना ॥ नत्रमनुज
होहलपगन्धं ॥ पुनिनर्मस्काव ॥ शिवत्रनमस्काना ॥ हव ह ॥ वाः
धिविरुपायादनपायदधना ॥ यन्यान्मादना जापो केलपूजा
वविविध ॥ विसर्जन ॥ पवगार्थ ॥ अधन ॥ बहुयीदवलि विधे ॥ द
गकाटवलि विधे ॥ सिंधुना नाहन ॥ मदलथिले ॥ दवया क

मना ॥ गिसमाधि ॥ समाधिवलि विधे ॥ धनकुहसरप नागधः
मनयूजा ॥ धनयह्यागसा अग्निस्वायनः अग्निरुनि ॥ मया
नसादवयूजा विधि थं याप ॥ धनयूजा ऊजामानयाय अस
कृपमाननः पं वापवाल पूजा ऊलं ॥ १॥ १०० ॥ ३३३ ॥ १००० ॥
थुगिपूजा ऊलं द्वायां अपलयं नगपा ॥ ॥ थुगिधूनका
उद्गायी पूजा मघधननिवान ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

गवप्रमदनायनथागनापाइहंकसम्यसंवद्वाय॥ गद्यथा॥ यः
 ऊर्महावजविद्यावजसहागजवजसहावाविष्णुयसंकुम
 मीसर्वकस्मावयवविष्णुवन्स्वाहा॥ ॥ यमिपलयाडाः क
 हाजस्वादकनकसथनाडाहाया॥ आकाशससकसिनंदक
 युजीजालनसंगकययाडावांजालय॥ जगद्वावयित्वाऽन
 नापथकपूजासद्यवालापिगंविनयन॥ गस्मादकंकयजा

गस्यअपविमिनपूजारुसंलरुण॥ नेहथगुमकुनयजांगल
 धनया॥ डीवजबुद्धि॥ ॥ हनेथमकुनकडाशरीरवीदकतहा
 यपूजामस॥ डीवजसत्तह॥

डीवजासह॥ थमदकास्थपूजा
 जालनवजनथिय॥

थनवजासनसदा॥
 नेदवयामन
 अधिस्तना॥



यजारुलथिय॥ वजाननथसनशातपा डाम
 ॥ ॥

ॐ हं हं हं

ॐ वज्रकुण्डः॥

ॐ वज्रपासकाः॥



महाकन



स्नान भुक्त सन भक्त धनो



वैश्वन



वज्रकुण्ड



वज्रकुण्ड

ॐ वज्रकुण्डः॥



वज्रपास

११ ॥ अर्घ्यपुनिकुस्यादा ॥ ॐ वज्रकुण्डमुसुल
 रुकावकदवेद्यः ॥ आवसनं पुनिकुस्या
 दा ॥ ॐ वज्रकुण्डमुसुल रुकावकदवेद्यः
 ॥ ॐ वज्रकुण्डमुसुल रुकावकदवेद्यः ॥
 थनविधिं कुसनदवपुता ॥ अकाससु

१० ॥ वज्रपासादि ॥ ॐ वज्र
 कुण्डमुसुल रुकावकदवेद्यः
 ॥ ॐ वज्रकुण्डमुसुल रुकावकदवेद्यः ॥
 स्वाहा ॥ ॐ वज्रकुण्डमुसुल रुकावकदवेद्यः ॥

ॐ क वां पूजा शतं सकलं पूजा द विपि संपूजा या क लाल पा डी थः
सन पूजा ग म दाः रा व न पूजा या य ॥ ॥ थ न रु रु रूप नः क म स्ता
वरु म दानः पूजा ग का यः पूजा म रु नः पूजा न थ डी म दा का य
॥ म घ म दानः ॥ ध न या य ॥ स म द म दा क दा डी थ गु रा थ पः
द थ ॥ ० ॥ ॐ सर्वे न थ रा ग न प थ पूजा म घ स म द म रु व न स म य दं ॥
ॐ व ज प थ दं ॥ ॐ आः व ज प थ पं प नि च स्वा हा ॥ ॥ ह न म दा

न प थ ॥ वि रु न ॥ ॥ व द म दा स्वी दा रु ल थ ॥ ॐ स म र्वे न थ
रा ग न प थ पूजा म घ स म द म रु व न स म य दं ॥ ॐ व ज प थ दं ॥ ॐ
आः व ज प थ पं प नि च स्वा हा ॥ ॐ सर्वे न थ रा ग न प थ पूजा म
घ स म द म रु व न स म दं ॥ ॐ व ज प थ दं ॥ ॐ आः व ज प थ पं प नि च
स्वा हा ॥ ० ॥ ॐ सर्वे न थ रा ग न प थ पूजा म घ स म द म रु व न स म य दं ॥
ॐ व ज प थ दं ॥ ॐ आः व ज प थ पं प नि च स्वा हा ॥ ० ॥ ॐ सर्वे नः

थागवसयजामघसदस् नमसमयदं ॥ ॐ नमस्तुभ्यं ॥ ॐ नमस्तुभ्यं ॥ ॐ नमस्तुभ्यं ॥
ऊनेवयस्वाहा ॥ ० ॥ थनगुविनयजाऊलंथगुकथनवाडसविंस
विआदियंउयवाचदकायामूदाकायामूदावाकसादिगयाळाअपु
जापाय ॥ ० ॥ थनसास्वाधंमुवादनसुनि ॥ ० ॥ ॐ सर्वथापिरु
वाग्गर्गसुगनाधिपकडिनेःकथाडुकंसदावाऊंवेवाचनंणामासु ॥

॥ ॐ नमस्तुभ्यं वज्रसत्तायः वज्रसत्तायः नमः नमस्तुभ्यं वज्रसत्तायः नमस्तुभ्यं
ऊधर्मन ॥ ० ॥ थनमस्तुभ्यं न ॥ ० ॥ थनयह्यानायाकसा
वजाह्मिविय ॥ हाकाविय ॥ येथायवावपूजा ॥ पंलाहं ॥
अह्यंगयन्मस ॥ सनाक्रव ॥ थगुकथंनंरुनंदंम
पूजायाय ॥ ० ॥ याथादिनिंस्यायइला ॥
मयाह्मक ॥ ॐ नमस्तुभ्यं वज्रसत्तायः ॥ ॐ

आशा सरकारी

2.692

ASHA ARCHIVES

५४५

५











